

IIT INDORE 4th CONVOCATION.....

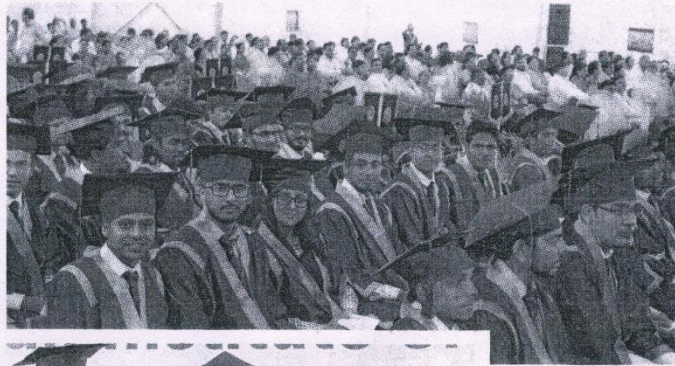
यंग टेक्नोक्रेट्स ने रखा टेक्नो वर्ल्ड में फर्स्ट स्टेप

पत्रिका PLUS रिपोर्ट

इंदौर • इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी करने के बाद डिग्री लेने की बारी आई। स्टूडेंट्स के चेहरों पर खुशी थी तो उनके पैरेंट्स को दिल में सुकूनभरा अहसास। मौका था शनिवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, इंदौर (आईआईटी) के सिमरोल कैम्पस में हुए कन्वोकेशन प्रोग्राम का। इसमें बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बीटेक) और मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एमटेक) के स्टूडेंट्स को डिग्री उनके पैरेंट्स के सामने प्रदान की गई। इसके साथ ही यंग टेक्नोक्रेट्स ने टेक्नो वर्ल्ड में पहला कदम रखा। दोनों कोर्स में ओवरऑल बेस्ट परफॉर्मर को गोल्ड और कुछ स्टूडेंट्स को सिल्वर मेडल दिए गए।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव आशुतोष शर्मा बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। उन्होंने स्टूडेंट्स को मोटिवेट करते हुए कहा, 'आईआईटी से इंजीनियरिंग करने पर सभी स्टूडेंट्स को सक्सेस मिल चुकी है। आपके हार्डवर्क का ही यह रिजल्ट है कि आज आपके पैरेंट्स आपको दुनिया के सामने बढ़ता हुआ देख पा रहे हैं। अब आप इंडस्ट्री में कदम रखने वाले हैं। इसलिए यहां सक्सेस के साथ एक्सीलेंस पर फोकस होना चाहिए। एक्सीलेंस मतलब हर काम इफेक्टिव तरीके से करने की हैबिट डालना ताकि रिजल्ट अच्छे मिले।' आईआईटी, इंदौर के डायरेक्टर प्रो. प्रदीप माधुर भी उपस्थित थे।

स्टूडेंट्स को दी बीटेक और एमटेक की डिग्री, पैरेंट्स के खिले चेहरे



कन्वोकेशन के दौरान डिग्री लेने के लिए बैठे स्टूडेंट्स। मुख्य अतिथि शर्मा ने विकास रौनक को गोल्ड मेडल और डिग्री दी। साथ है डायरेक्टर प्रो. माधुर।

प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल विकास को

कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में बीटेक करने वाले विकास रौनक मधुबनी, बिहार के रहने वाले हैं। विकास को हर साल अच्छी परफॉर्मेंस के लिए द प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल दिया गया। विकास ने इस सक्सेस को लेकर कहा, 'हमेशा कंसीसटेंट एजुकेशन पर फोकस रखा।' साथ में आए माता-पिता डॉ. बीके और रंजना झा ने कहा, 'विकास का टारगेट शुरुआत से ही क्लियर था। आज का दिन पूरे परिवार को लिए यादगार है।'

हायर एजुकेशन और पीएचडी

